

21 <sup>10</sup>/<sub>21</sub>

पञ्चावली प्रयाग गाँव के लोग अठ्ठियात  
में पैर दुई। एकल में तहदीलगा है  
लिये जगह दुई। जिसे था. ला. बीप गणा  
तहदीलगा की लिये अठ्ठियात प्रकी-नी जौह  
मा. न. 33। 4 में माने जाने हउ मा. न. 14  
में है स्पर्थ काहा हुआ राहा इवे रेकी हूँ।

पञ्चावली का अल्लोका बीप गणा। पञ्चावली  
के अल्लोका है स्पर्थ ही की प्रकी की सुधि  
मा. न. 33। 4 में आने जाँ हूँ राहा  
मा. न. 14 में है ही कर। प्रकी के राहा  
अल्लोका ही है प्रकी का पञ्चावली बीप  
जाना उचित है।

इ. 1। प्रकी का प्रकीता पञ्चावली  
बीप गणा ही पञ्चावली अल्लोका प्रयाग  
दोहा गणा के कत है।

De  
उपलब्ध प्रयाग  
जयपुर (मालवाड़ा)